

RESSA

रेसा

सवारी

SAWARI

सफर है शत दुसरे नवाज बहने
हजार-हजार-चार-दर-दर में है







किस की बलाह है हमें जिस के इतर में है
जब हो चले है धर हो गुणवत्ता एकर में है







सवारी

105



सण्ट हे शीत नुकाळिन्-नचान गडोरे
रजात हें विजय-विजय ली तें हें



छह सालों में कैसे आधुनिकता है
बुझते ही लफ्फे गुड़ लफ्फे का हॉलिंग है









सवारी

103



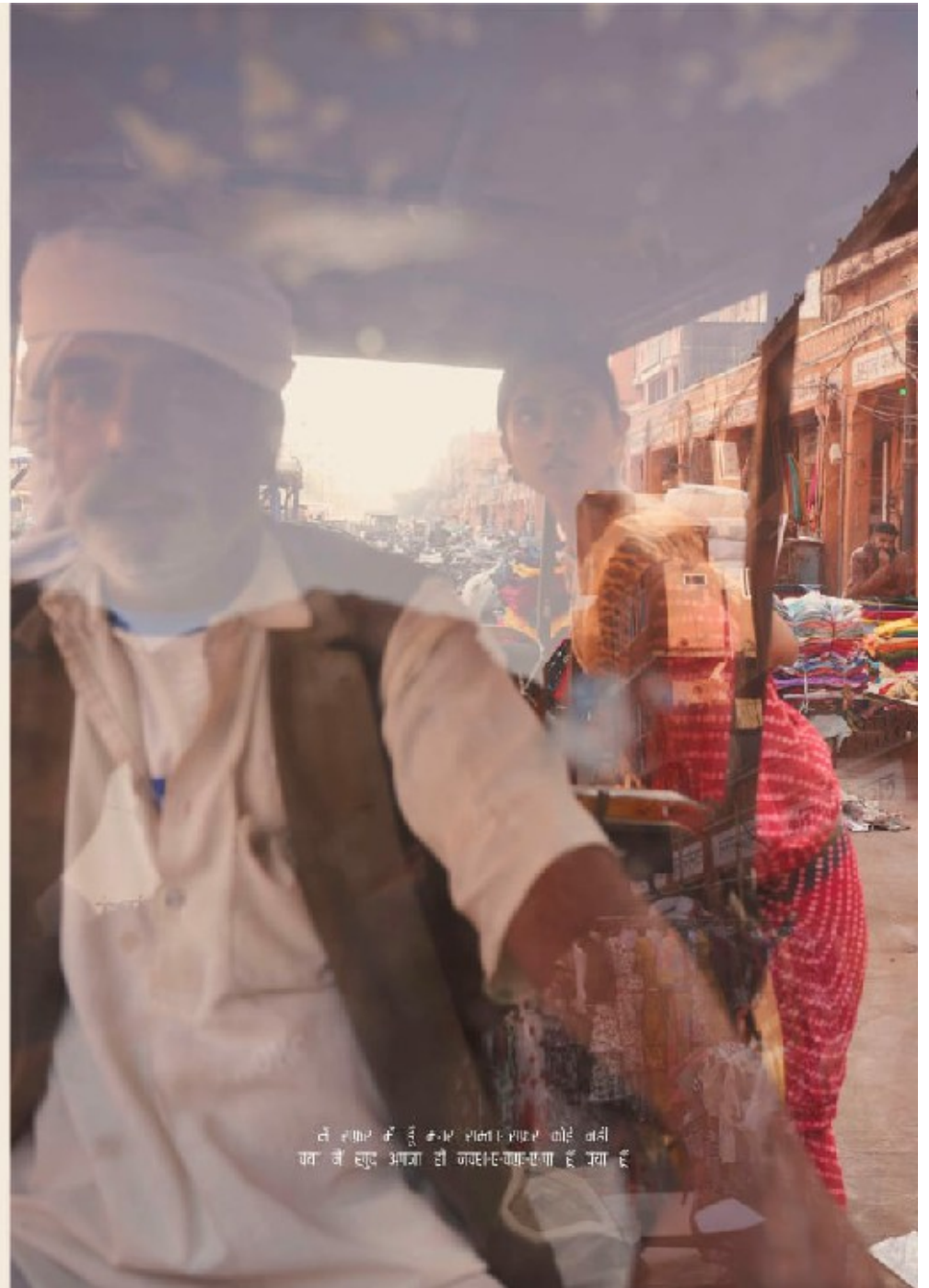
RISSA

न मजिती पो न हम छसुणए को देखा है
अनघ दाखर है कि बल इतनाकर जो देखा है



सहस्रालय में बिसे आसुर-कणित है
पुकर से तो सकर उकुद सफर का इकिले है





ते रफ़्तार में चलते हैं, जहाँ सड़कें गंदी हैं
जहाँ वे खुद अपना ही गंधक-बख़्त बनाते हैं





सवारी 101



सवारी 102



सवारी 103



सवारी 104



सवारी 105



सवारी 106

RESSA
LAKHNER BOUTIQUE
रेसा



सवारी 107



सवारी 108

सवारी

सफर हे शरी सुवाचित नवाज बहारे
मुकाम: अमरावती वाठार, १५५ मी. १